भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-16
उत्तर देने की तारीख-21/07/2025

निपुण भारत मिशन का कार्यान्वयन

†16. श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:
श्रीमती भारती पारधी:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश के सभी जिलों, विशेषकर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में, वर्ष 2026-27 तक कक्षा 3 के अंत तक प्रत्येक बच्चे के लिए आधारभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान (एफएलएन) के लक्ष्य को प्राप्त करने के संबंध में निपुण भारत मिशन के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;
(ख) सरकार निपुण भारत मिशन के अंतर्गत, विशेषकर कक्षा 1-3 के बच्चों की व्यक्तिगत सीखने की प्रगति पर किस प्रकार नजर रख रही है;
(ग) इस संबंध में पिछड़ने वाले बच्चों को लक्षित सहायता सुनिश्चित करने के लिए क्या तंत्र मौजूद हैं; और
(घ) इस संबंध में विशेषकर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में, सरकार द्वारा प्राप्त सफलता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (घ): स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा दिनांक 5 जुलाई, 2021 को एक राष्ट्रीय मिशन 'समझ के साथ पठन और संख्याज्ञान में दक्षता के लिए राष्ट्रीय पहल' (निपुण) भारत मिशन शुरू किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश का प्रत्येक बच्चा कक्षा 2 तक बुनियादी साक्षरता और संख्या का ज्ञान प्राप्त कर ले। सभी 36 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के सभी जिलों सहित) निपुण-भारत मिशन का कार्यान्वयन कर रहे हैं। निपुण के अंतर्गत विभिन्न पहल इस प्रकार हैं:

- जादुई पिटारा (जेपी) 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के लिए शिक्षण सामग्री (एलटीएम) का संग्रह, दिनांक 20 फरवरी, 2023 को शुरू किया गया। यह एक बॉक्स है जिसमें मूलभूत चरण के लिए 53 एलटीएम जैसे खिलौने, खेल, पहेली, कठपुतलियां, पोस्टर, फ्लैशकार्ड, स्टोरी कार्ड, छात्रों के लिए प्ले बुक सेट और शिक्षकों के लिए हैंडबुक है। यह उपयोगकर्ता पुस्तिका और सभी गतिविधि कार्ड, चित्र पढ़ने वाले पोस्टर, स्टोरी कार्ड और जादुई पिटारा के अनुदेशों का 22 भाषाओं में अनुवाद किया गया है।

  यह एनईपी 2020 में यथापरिकल्पित अधिगम-शिक्षण के माहौल को समृद्ध बनाने और इसे अधिक बाल-केंद्रित, जीवंत और आनंदमय बनाने की दिशा में एक बड़ा निर्णय है। इसमें प्रशिक्षकों के लिए एक पुस्तिका 'उन्मुख' भी शामिल है, जो प्रशिक्षकों के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका है, जिसमें 3-6 वर्ष के बच्चों के लिए एक गतिविधि बैंक है, जिसकी पंचकोशीय विकास और आधारभूत स्तर पर शिक्षकों के भावी प्रशिक्षण हेतु एनसीएफ-एफएस के पाठ्यचर्या लक्ष्यों के साथ मैपिंग की गई है। गतिविधि पुस्तिका 'आनंद' में बच्चों द्वारा उपयोग की जाने वाली एकीकृत वर्कशीट शामिल हैं।
- ई-जादुई पिटारा (ई-जेपी) दिनांक 10 फरवरी, 2024 को शुरू किया गया। ई-जेपी एक ऐप और वेबसाइट है, जिसमें खेल-आधारित शिक्षण के साथ नवीनतम प्रौद्योगिकी का एकीकरण किया गया है और यह जादुई पिटारा की शिक्षा को प्रसारित करने और इसे कक्षा की चार दीवारों से बाहर ले जाने का एक तरीका है।
- कक्षा 1 और 2 के लिए खेल और गतिविधि आधारित पाठ्यपुस्तकें तैयार की गई हैं और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ (हिंदी- "सारंगी", अंग्रेजी- "मृदंग", "गणित- आनंदमय-गणित और उर्दू- "शहनाई") साझा की गई हैं, जो एनईपी 2020 और एनसीएफ-एफएस (फाउंडेशनल स्टेज के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा) की सिफारिशों को पूरा करती हैं।
- फाउंडेशनल स्टेज के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ-एफएस) 20 अक्टूबर, 2022 को जारी की गई, जिसमें पाठ्यक्रम, शिक्षकों के प्रशिक्षण, शिक्षण सामग्री (एलटीएम) आदि के लिए एक संरचना प्रदान की गई।
- मातृभाषा में एफएलएन सीखने के लिए 121 स्थानीय भाषाओं में प्राइमर विकसित किए गए हैं। ये वे भाषाएँ हैं जो कम से कम 10,000 लोगों द्वारा बोली जाती हैं।
- बालवाटिका से लेकर कक्षा 2 तक बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान के लिए अधिगम परिणामों पर आधारित लक्ष्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोध के आधार पर विकसित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, विकासात्मक लक्ष्यों पर आधारित अन्य अधिगम परिणामों को भी विकसित और संहिताबद्ध किया गया है, जिसमें विभिन्न पहलुओं, अवधारणाओं और कौशलों को शामिल किया गया है।
- निपुण की निगरानी के लिए एक नया संक्षिप्त प्रारूप, निपुण भारत मिशन योजना और कार्यान्वयन टेम्पलेट (एनबीएमपीआईटी) विकसित किया गया था और प्रगति को एक नज़र में समझने और बेहतर निगरानी के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किया गया।

- शिक्षकों को सतत अधिगम के अवसर प्रदान करने के लिए, अक्टूबर 2020 में दीक्षा प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए निष्ठा (स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल) ऑनलाइन कार्यक्रम शुरू किया गया था ताकि प्राथमिक शिक्षकों तक पहुँच बनाई जा सके और इसे सभी स्तर के शिक्षकों तक विस्तारित किया जा सके। इसमें संवाद के लिए कई दृष्टिकोण शामिल हैं, जैसे वीडियो के साथ-साथ टेक्स्ट मॉड्यूल। ये सभी विषयवस्तु बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (एफएलएन) के तीन विकासात्मक लक्ष्यों और अधिगम परिणामों के अनुरूप हैं। 14 लाख से अधिक शिक्षकों ने क्रमशः बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (एफएलएन) और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) के लिए निष्ठा ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा कर लिया है।
- समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी) को भी एक रचनात्मक मूल्यांकन उपकरण के रूप में पेश किया गया है ताकि छात्रों की प्रगति का बहुआयामी दृष्टिकोण प्रदान किया जा सके। यह शैक्षणिक स्तर से आगे बढ़कर सह-पाठ्यचर्या और सामाजिक-भावनात्मक विकास को भी शामिल करता है। इन मूल्यांकनों से प्राप्त अंतर्दृष्टि साक्ष्य-आधारित पहलों का मार्गदर्शन करती है, जिससे सभी क्षेत्रों में समान प्रगति सुनिश्चित होती है।

एनईपी 2020 में प्रासंगिक अवधारणाओं को विकसित करने और बच्चों के स्कूल शिक्षा शुरू करने पर इष्टतम अधिगम की सुविधा हेतु अपेक्षित दक्षता प्राप्त करने पर बल दिया गया है। समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए दिनांक 29 जुलाई, 2021 को पहली कक्षा के लिए 'विद्या प्रवेश' नामक 3 महीने का खेल आधारित 'स्कूल तैयारी मॉड्यूल और दिशानिर्देश' शुरू किया गया। विद्या प्रवेश कार्यक्रम का लक्ष्य विविध पृष्ठभूमियों (बाल वाटिका, आंगनवाड़ी केन्द्र, घर पर, निजी प्ले स्कूल आदि) से कक्षा-1 में आने वाले सभी बच्चों में स्कूल की तैयारी को बढ़ावा देना है, ताकि कक्षा-1 में बच्चों का सुगम प्रवेश सुनिश्चित किया जा सके। यह एक आनंदमय और प्रेरक वातावरण में खेल आधारित, आयु और विकासात्मक रूप से उपयुक्त शिक्षण अनुभव प्रदान करता है, जिससे बच्चे के पूर्व-साक्षरता, पूर्व-संख्याज्ञान, संज्ञानात्मक और सामाजिक कौशल को बढ़ावा देने के लिए समग्र विकास होता है। यह कार्यक्रम पूरे देश में लागू किया जा रहा है। 2022-23 से अब तक 8.9 लाख स्कूलों के 4.2 करोड़ से ज़्यादा छात्र इससे लाभान्वित हो चुके हैं।

यूडाइज 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार, देश भर में प्री-स्कूल तक पहुँच का तेज़ी से विस्तार हुआ है। कक्षा 1 तक के 9,16,145 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में से, कुल 4,64,545 स्कूलों (50.70%) में किसी न किसी रूप में प्रीस्कूल शिक्षा सुविधा उपलब्ध है, चाहे वह बालवाटिका (प्री-प्राइमरी सेक्शन) हो या आंगनवाड़ी केंद्र या दोनों हों।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा बच्चों की प्रगति और अधिगम क्षमताओं का मूल्यांकन करने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के तहत परख (समग्र विकास के लिए प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और ज्ञान का विश्लेषण) की स्थापना की गई है। इस सर्वेक्षण का प्राथमिक उद्देश्य कक्षा 3, 6 और 9 में प्रत्येक शैक्षिक चरण अर्थात् बुनियादी प्रारंभिक

और मध्य स्तर के अंत में बुनियादी साक्षरता, आधारभूत संख्याज्ञान, भाषा और गणित संबंधी छात्रों की अधिगम क्षमताओं का मूल्यांकन करना है।

शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, परख द्वारा 4 दिसंबर, 2024 को परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 का नवीनतम दौर आयोजित किया गया। यह सर्वेक्षण भारत के मूल्यांकन रुपरेखा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप है, जो योग्यता-आधारित शिक्षण और मूल्यांकन सुधारों पर बल देती है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र सहित) की परख 2024 रिपोर्ट आधिकारिक तौर पर 2 जुलाई, 2025 को सार्वजनिक डोमेन में जारी कर दी गई है। इसे https://dashboard.parakh.ncert.gov.in/en. पर देखा जा सकता है।

सर्वेक्षण छात्रों की अधिगम उपलब्धियों में सुधार दर्शाता है और देश भर में निपुण भारत मिशन की सफलता को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि ग्रामीण स्कूलों में कक्षा 3 के बच्चों का प्रदर्शन शहरी स्कूलों से बेहतर है और पिछले सर्वेक्षण की तुलना में अधिगम परिणामों में स्पष्ट सुधार हुआ है।

*****